कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 22.10.2018

गर्ल्स कॉलेज में
"महिला उद्यमिता विकास" कार्यक्रम शुरू

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में छत्तीसगढ़ इण्डस्ट्रियल एवं टेक्नीकल कंसल्टेंसी सेंटर (सिटकॉन) द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड के सौजन्य से एक माह का महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।

छात्राओं को स्वावलंबी बनाने और उन्हें स्वयं का रोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से चार सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

महाविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र की प्रभारी डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि प्रशिक्षण में विषय–विशेषज्ञों द्वारा प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें व्यक्तित्व विकास, उद्योग–व्यवसाय चयन, बाजार सर्वेक्षण, स्थानीय संसाधन की जानकारी दी जा रही है।

डॉ. दुबे ने बताया कि उद्योगों की स्थापना में सहायक शासकीय एवं वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रदत्त सुविधाओं की जानकारी भी दी जा रही है।

सिटकॉन प्रभारी प्रतिभा गुप्ता ने जानकारी दी कि छात्राओं को परियोजना बनाना एवं रिपोर्ट तैयार करना तथा बैंक के अधिकारियों एवं सी.ए. द्वारा भी प्रशिक्षण दिलाया जावेगा।

एक माह के प्रशिक्षण में विभिन्न औद्योगिक इकाईयों का भ्रमण कराया जावेगा ताकि वे स्थल पर ही जानकारी हासिल कर सकेगीं।

प्रतिदिन प्रशिक्षण में डॉ. अशोक चन्द्रा, सुप्रभातशील, हेमंत घोटे द्वारा विभिन्न विषयों पर जानकारी दी जा रही है। छात्राएँ वाशिंग पावडर, नैप्थलीन गोली, कैंडल, बेकरी प्रोडक्ट, फिनाईल, लिक्विडसोप आदि बनाना सीख रही हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बीआईटी दुर्ग के उद्यमिता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अशोक चन्द्रा के द्वारा हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने की। सिटकॉन के राज्य प्रमुख प्रसन्न निमोनकर ने भी प्रतिभागी छात्राओं को उद्यमिता की विशेषताएँ एवं उद्देश्यों से परिचित कराया।

जिला उद्योग व्यापार केन्द्र दुर्ग का भी सहयोग सतत रूप से मिल रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं की सहभागिता मिल रही है।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य